शुक्रवार
24 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 90
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जनाक्रोश रैली में गरजे सीएम

पदयात्रा में किया विपक्ष पर जोरदार हमला

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज परेड ग्राउण्ड, देहरादून में महिला जन आक्रोश रैली में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री, हजारों की संख्या में मौजूद महिलाओं के साथ परेड ग्राउंड से घंटाघर तक जन आक्रोश पदयात्रा में भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनका अधिकार दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया था। परंतु लोकसभा में संख्या बल के कारण बिल पारित नहीं हो पाया। उन्होंने कहा विपक्ष ने षड्यंत्र करके नारी शक्ति का अधिकार छिनने का काम किया है। उन्होंने कहा देश की नारी, अन्याय के विरुद्ध अवश्य आवाज उठाएगी क्योंकि अब नारी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री द्वारा देश की आधी आबादी को उसका हक दिलाने के प्रयास को लोकसभा में विपक्ष ने विफल करके देश के साथ महा पाप किया है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मातृशक्ति को नए भारत के निर्माण का आधार माना है। महिलाओं को सशक्त, सक्षम और

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान, उज्ज्वला योजना, एवं जन धन योजना द्वारा करोड़ों बहनों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा, स्टार्टअप योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को सशक्त बनाने, लखपति दीदी योजना द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर महिलाओं को आगे बढ़ने का काम किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ आगे आ रही हैं। आदिवासी समाज की बेटी, देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंची हैं। केंद्रिय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। राज्य में महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू किया गया है। इसके साथ राज्य में ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना, उत्सव योजना और मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में अब तक 2 लाख 65 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन गई हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्रीमती आशा नौटियाल, श्रीमती रेनू बिष्ट, श्रीमती रुचि भट्ट, श्रीमती दीप्ति रावत, श्रीमती नेहा जोशी, हिमानी, रश्मि रस्तोगी एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद थी।

मॉक ड्रिल: देहरादून में आज रात ब्लैकआउट, 30 मिनट रहेगा अंधेरा

घबराए नहीं, अफवाहों से बचें, यह सिर्फ अभ्यास है: जिला प्रशासन

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों को परखने के लिए आज रात 10 बजे एयर रेड एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के चार संवेदनशील क्षेत्रों में 30 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी संभावित हवाई हमले या आपात स्थिति में सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता एवं समन्वय क्षमता का आकलन करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आईएसबीटी, घंटाघर, आराघर तथा रायपुर स्थित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डीईएएल/डीआरडीओ) क्षेत्र में सायरन बजाकर एयर रेड अलर्ट जारी किया जाएगा और तत्पश्चात ब्लैकआउट किया जाएगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम में इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया गया है, जहां मोबाइल, वायरलेस एवं दूरसंचार के माध्यम से सभी विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस एवं पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहकर स्थिति पर नजर रखेंगे।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार ने बताया कि यह मॉक ड्रिल गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित की जा रही है, जिसमें जिलाधिकारी कंट्रोलर के रूप में संचालन करेंगे। उन्होंने आमजन से अपील की है कि इस दौरान किसी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं, यह केवल आपातकालीन तैयारियों का अभ्यास है।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग करने एवं जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह करते हुए कहा है कि इस तरह के अभ्यास आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने में सहायक होंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

धामी के विशेष सत्र पर संग्राम

केंद्र की भाजपा सरकार ने अभी-अभी जो संसद का विशेष सत्र बुलाया था जिसमें उसके द्वारा महिलाओं को राज्यों की विधानसभाओं वी लोकसभा में 33 फीसदी आरक्षण के लिए 3 साल पहले पारित हुए नारी वंदन बिल में संशोधन के साथ दो और बिल शामिल किए गए थे जो पास नहीं हो सके तथा इन्हें लेकर सरकार की भारी फजीहत हो रही है। और भाजपा तथा कांग्रेस इस मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं इसका असर अब उत्तराखंड की राजनीति पर भी साफ दिखने लगा है। धामी सरकार द्वारा 28 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाया जाना और इससे पूर्व कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेश का देहरादून आना तथा विधानसभा भवन के बाहर कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन किया जाना इस बात के साथ संकेत है कि इस मुद्दे पर न सिर्फ इस विशेष सत्र में पक्ष विपक्ष के बीच सीधें सीधे दो-दो हाथ होने वाले हैं अपितु अब महिलाओं के आरक्षण और महिलाओं के सम्मान का यह मुद्दा 2027 के विधानसभा चुनाव में भी सबसे अधिक प्रभावी मुद्दा होने जा रहा है। कांग्रेस के नेताओं के तेवर इस मुद्दे को लेकर कितने तल्ख है इसका अंदाजा श्रीनेत्र के आरोपों से तो लगया ही जा सकता है लेकिन इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस की महिला नेत्रियों द्वारा अंकिता भंडारी हत्याकांड से लेकर हरिद्वार की उसे भाजपा नेत्री जिसके द्वारा अपनी ही नाबालिक बेटी को अपने राजनीतिक फायदे के लिए नेताओं को परोसे जाने का मुद्दा उठाते हुए भाजपा नेताओं के चाल चरित्र की धज्जियां उड़ा दी गई। उनका कहना है कि भाजपा के नेता किस मुंह से महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। दुष्यंत गौतम जैसे लोगों को मालाये पहनाकर उनका स्वागत करने वाले भाजपा नेताओं को शर्म आनी चाहिए। जहां तक बात महिलाओं को33 फीसदी आरक्षण की बात है तो अब प्रदेश कांग्रेस के नेता सहकारिता में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की तरह सरकार से मांग कर रहे हैं कि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पूर्व महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था लागू करें। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वह विशेष सत्र में इसकी मांग करेंगे। उधर अभी तक भाजपा ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसके द्वारा इस विशेष सत्र को बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है? लेकिन भाजपा नेताओं की बयान बजियो से यह साफ जाहिर हो रहा है कि प्रदेश की सरकार केंद्रीय नेताओं के एजेंडें को ही आगे बढ़ाने के लिए विशेष सत्र बुला रही है। माना जा रहा है कि विपक्ष द्वारा संसद में गिराए गए मोदी सरकार के बिलों पर वह विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाना चाहती है हो और केंद्रीय नेताओं की तरह हीं कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार ठहराने का प्रयास करने वाली हो भाजपा ने केंद्र के निर्देश पर देश भर में जो विरोध प्रदर्शन का अभियान छेड़ा हुआ है उससे तो यही आभास हो रहा है कि भाजपा की धामी सरकार से इस बात की उम्मीद तो की नहीं जा सकती है कि वह वैसा कुछ कर सकती है जैसा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा मांग की जा रही है लेकिन कांग्रेस और भाजपा के नेता इस मुद्दे पर एक दूसरे को कटघरे में खड़ा करने के लिए तमाम दांव पेच आजमा रहे हैं। श्रीनेत्र ने साफ कहा है कि हमारी मांग है कि अगर भाजपा की नियत में कोई खोट नहीं है तो तत्काल संसद में 181 सीटों पर महिलाओं को आरक्षण देने की व्यवस्था लागू करें क्योंकि वर्तमान में लोकसभा की कुल 543 सीटे हैं। हम उसका समर्थन करेंगे लेकिन भाजपा की मशां आरक्षण देने की है ही नहीं वह तो परिसीमन की आड़ में अपने राजनीतिक लाभ के लिए आरक्षण को लटकाए रखना चाहती है। हम सबको यही सच देश की महिलाओं को बताना है।

वाहन दुर्घटना में मृतक आश्रितों को पीएम व सीएम ने दिये दो-दो लाख रुपए की सहायता

संवाददाता

देहरादून। टिहरी में हुए वाहन दुर्घटना पर प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक आश्रितों दो-दो लाख रूपये की सहायता राशि की घोषणा की। वहीं मुख्यमंत्री ने भी मृतक आश्रितों को तीन-तीन लाख रूपये की सहायता की घोषणा की।

आज यहां टिहरी गढ़वाल जनपद में हुई वाहन दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की गई है। राज्य सरकार द्वारा भी उत्तराखंड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत नियमावली के तहत मृतक आश्रितों को 2-2 लाख रुपये सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भी मृतक आश्रितों को 3-3 लाख रुपये और गंभीर घायलों को 50-50 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस दुखद घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों से लगातार संपर्क बनाए रखने और उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं।

देहरादून में 9 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

हमारे संवाददाता

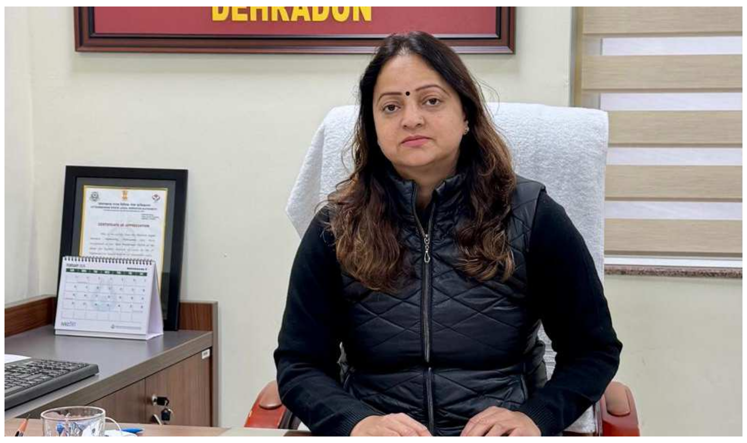

देहरादून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून के तत्वावधान में आगामी 9 मई, 2026 को जनपद देहरादून के मुख्यालय सहित समस्त बाह्य न्यायालय परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत का उद्देश्य लंबित एवं प्री-लिटिगेशन वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराना है।

सचिव/सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून सीमा डुंगराकोटी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक वाद, चेक बाउंस प्रकरण, वसूली एवं मोटर दुर्घटना से संबंधित वाद, श्रम विवाद, उपभोक्ता फोरम के मामले तथा प्री-लिटिगेशन वादों का निपटारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त न्यायालयों में लंबित शमनीय प्रकृति के मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के चालानों का भी निस्तारण किया जाएगा, जिसमें निर्धारित शुल्क जमा कर बिना अतिरिक्त व्यय के मामलों का समाधान संभव होगा।

शमनीय प्रकृति के वादों में तेज गति से वाहन चलाना, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, बिना लाइसेंस/आर.सी./इन्श्योरेंस / परमिट के वाहन चलाना, बिना सीटबैल्ट या हेलमेट, अप्राधिकृत व्यक्ति द्वारा वाहन चलाना, क्षमता से अधिक सवारी वाहन में बैठाना, आवश्यकता से अधिक हॉर्न बजाना, आपातकालीन वाहनों को पास न देना, मोटर साइकिल ड्राइवर या पिछली सीट सवारी द्वारा सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करना, किसी खड़े वाहन में अनधिकृत रूप से हस्तक्षेप करना, मानसिक या शारीरिक रूप से अयोग्य होते हुए वाहन चलाना शामिल है। हालांकि, शराब पीकर वाहन चलाने एवं नाबालिग द्वारा वाहन चलाने जैसे मामलों को शमनीय श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है।

लोक अदालत की एक विशेषता यह भी है कि इसमें निस्तारित वादों पर कोई न्यायालय शुल्क देय नहीं होता। यदि पूर्व में शुल्क जमा किया गया है, तो वह नियमानुसार वापस किया जाता है। लोक अदालत के निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होते हैं तथा इनके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम जनमानस से अपील की है कि जिन व्यक्तियों के वाद देहरादून, ऋषिकेश, विकासनगर, डोईवाला, चकराता एवं मसूरी के न्यायालयों में लंबित हैं, वे 9 मई, 2026 से पूर्व अपने संबंधित न्यायालय में राजीनामे के आधार पर निस्तारण हेतु आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठाएं। राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कांग्रेसी प्रदर्शन ढोंग: महेंद्र भट्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने महिला आरक्षण पर विशेष सत्र का स्वागत करते हुए कांग्रेसी प्रदर्शन को ढोंग बताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कटाक्ष किया कि बेशर्मी की हद है कि दिल्ली में विरोध में वोट करते हैं और राज्य में समर्थन में प्रस्ताव की मांग करते हैं।

मीडिया सवालों के जवाब में दी गई प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन का विरोध कर कांग्रेस और विपक्ष ने घोर पाप किया है। इसको लेकर जनता और मातृ शक्ति में जबरदस्त रोष है और वह महिला विरोधी ताकतों को लोकतांत्रिक तरीके से सबक सिखाना चाहती है। जनभावनाओं के सम्मान और महिलाओं का अपमान करने वालों का चेहरा सामने लाने के लिए आगामी 28 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया गया है। इसके माध्यम से राज्य की जनता का मंतव्य देश के सम्मुख एक राय से प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने विधानसभा के सामने हुए कांग्रेसी धरने को राजनैतिक ढोंग बताते हुए, पाप से पीछा छुड़ाने की कोशिश बताया है। क्योंकि जो यहां विधानसभा से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग का प्रस्ताव भेजना चाहते हैं। उनके साथियों ने ही संसद में इसी कानून को गिराने का अपराध किया है। यदि कांग्रेस पार्टी चाहती तो वहां प्रस्तुत संशोधन का समर्थन करती, जिससे सभी विधानसभाओं और संसद में मातृ शक्ति को उनका अधिकार मिल जाता। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं किया गया और अब उत्तराखंड में कांग्रेस राजनैतिक ड्रामा रच रही है।

पिथौरागढ़ में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण का निशुल्क कोचिंग शुरु

हमारे प्रतिनिधि

पिथौरागढ़। सामुदायिक पुस्तकालय की पहल तथा शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान नॉलेज टी के सहयोग से शुक्रवार से निशुल्क कोचिंग शुरू गया है। भर्ती पूर्व प्रशिक्षण के थ्योरिकल क्लास में आज विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स भी दिए गए।

चिमिसिया नौला स्थित भवन में कोचिंग का संचालन किया जा रहा है। सामुदायिक पुस्तकालय की पहल से जिला मुख्यालय में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण की कोचिंग का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए 42 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है।

कोचिंग के थ्योरिकल पार्ट के लिए शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान नॉलेज टी जिम्मेदारी उठा रही है। नॉलेज टी के संस्थापक हेमंत खोलिया ने बताया कि सामुदायिक पुस्तकालय की पहल के साथ जुड़ते हुए उनकी टीम उत्साहित है। उन्होंने कहा एस.एस.एस.सी. जीडी के साथ-साथ उत्तराखंड तथा आर्मी में भर्ती होने के लिए इन विद्यार्थियों के थ्योरिकल पार्ट को मजबूती दी जाएगी।

कोचिंग के शिक्षक कैलाश चन्द्र कलखुडिया ने कहा कि अनुशासन,धैर्य के साथ तैयारी करनी होती है। कहा कि आज के समय में कम्पटीशन बढ़ गया है। इसलिए नियमित तारगैट के साथ अभ्यास करना जरुरी है।

शिक्षक प्रवीण सिंह धामी ने कहा कि इस शैली से पढाया जाएगा कि विद्यार्थी गणित से भागने की जगह प्रेम करने लगेगा। कहा कि हम इस पहले बैच को यू.पी.एस.सी. की सफलता तक पहुचाने का कार्य करेंगे।

सामुदायिक पुस्तकालय के जनक जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि थ्योरिकल क्लास सोमवार से विधिवत रूप से शुरु हो गए है। कहा कि फिजिकल पार्ट का प्रशिक्षण एक सप्ताह के बाद शुरु किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि नये विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण अभी एक सप्ताह तक चलेगा। सीमांत के विद्यार्थियों में इस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कोचिंग लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

रिपोर्ट दर्ज के एक सप्ताह के भीतर 25 प्रतिशत दिलाएं मुआवजा

बागेश्वर(आरएनएस)। समाज कल्याण विभाग की जिला सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक की गई, जिसमें अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने निर्देश दिए कि अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रत्येक प्रकरण में एफआईआर होते ही एक सप्ताह के भीतर मुआवजे की 25 प्रतिशत धनराशि स्वीकृत कर पीड़ित को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी मामलों की विस्तृत और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए तथा अभियोजन पक्ष न्यायालय में प्रभावी पैरवी करे, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। साथ ही प्रकरण की स्थिति के अनुसार शेष आर्थिक सहायता भी निर्धारित समय सीमा में प्रदान की जाए। स्पष्ट किया कि किसी भी मामले में सहायता या न्याय प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को अधिनियम के प्रावधानों का स्कूलों और कॉलेजों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, जिससे खासकर युवाओं में जागरूकता बढ़ाई जा सके।बागेश्वर विधायक पार्वती दास ने एससी-एसटी उत्पीड़न से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण और शासन के निर्देशों के सख्ती से पालन पर जोर दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी हेमचंद तिवाड़ी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त सभी 21 मामलों में नियमानुसार मुआवजा दिया जा चुका है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी अनुपमा ह्यांकि, मुख्य शिक्षा अधिकारी विनय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्मों का सत्यापन पूरा

हल्द्वानी(आरएनएस)। वनभूलपुरा के प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए जमा हुए 6988 फार्मों का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। अब इसकी रिपोर्ट उच्च स्तरीय कमेटी की भेजी जाएगी। मामले में गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय कमेटी की बैठक प्रस्तावित है।उल्लेखनीय है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रशासन व रेलवे की टीम ने 20 से 31 मार्च तक वनभूलपुरा में छह स्थानों पर शिविर के माध्यम से फार्म जमा कराए थे। प्राधिकरण ने एक अप्रैल तक शिविर को आगे बढ़ाकर फार्म जमा कराए। इसके बाद 2 व 4 अप्रैल को नगर निगम सभागार के काउंटर में फार्म हुए थे। छह अप्रैल से नगर निगम में प्रशासन, रेलवे व विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने फार्मों के सत्यापन का कार्य शुरू किया। फार्मों की डेटा फीडिंग के बाद शुरू हुए सत्यापन के कार्य की राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ने लगातार मॉनिटरिंग की। सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रभारी नोडल विवेक राय ने बताया कि फार्मों के सत्यापन के बाद क्षेत्रीय स्तर की बैठक संपन्न हो गई है। गुरुवार को उच्च स्तरीय कमेटी की बैठक में रिपोर्ट का मूल्यांकन किया जाएगा।

पीएनजी की पाइप लाइन फटी, दुकानें बंद कराई

हरिद्वार(आरएनएस)। ज्वालापुर के कटहरा बाजार में पीएनजी की अंडरग्राउंड पाइपलाइन फटने से अफरातफरी का माहौल बन गया। इस दौरान बाजार में गैस का रिसाव होने लगा, जिससे दुर्गंध फैल गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। गैस का रिसाव होने के बाद आसपास की चार दुकानों को बंद कराया गया। एयरटेल कंपनी के कर्मचारी फाइबर लाइन बिछाने के लिए कटहरा बाजार में सड़क की खोदाई कर रहे थे। इस दौरान पीएनजी की पाइपलाइन फट गई। व्यापारियों ने गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की सूचना हरिद्वार नेचुरल गैस कंपनी को दी। सूचना पर कंपनी की फायर सेफ्टी यूनिट मौके पर पहुंची। एहतियातन आसपास की कपड़े की चार दुकानों को बंद कराया गया। दुकानें बंद होने के बाद एचएनजीपीएल के कर्मचारियों ने गैस पाइपलाइन की मरम्मत की।

कांडानाला व ढिकोलिया में अपलिफ्टिंग योजना की जगी उम्मीद

कोटद्वार(आरएनएस)। रिखणीखाल ब्लॉक के पैनों घाटी के अंतर्गत कांडानाला गांव के कटरौ व ढिकोलिया के पाराचौड़ तोक में सिंचाई व पेयजल आपूर्ति के लिए प्रस्तावित ट्यूबवेल अपलिफ्टिंग योजनाओं को धरातल पर उतरने की उम्मीद जगी है। पैनों घाटी के ग्रामीण लंबे समय से उन्हें सिंचाई एवं पेयजल आपूर्ति सुचारू करने की मांग कर रहे थे। चार साल पहले इन गांवों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया जिस पर लघु डाल खंड श्रीनगर के अधिकारियों ने सितंबर, 2022 में सर्वे किया था लेकिन आपदा के कारण शासकीय बजट ज्योतिर्मठ में हुई क्षतिपूर्ति में लगा दिया गया। अपलिफ्टिंग योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए 24 सितंबर, 2024 को विभागीय टीम ने चयनित गांवों में चिह्नित स्थलों का पुनः सर्वे किया था लेकिन तब यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई थी। ग्राम प्रधान विनीता ध्यानी ने बताया कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए लघुडाल खंड श्रीनगर की ओर से दोबारा संशोधित डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी गई है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही ऋषिकेश में रजिस्ट्रेशन को उमड़ी भीड़

ऋषिकेश(आरएनएस)। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के बाद अब केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही ऋषिकेश में भी ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा के दर्शन के लिए तड़के से ही यात्री रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटरों पर जुटे दिखे। सुबह से लेकर शाम तक आस्थापथ पर रवाना होने से पूर्व 3,456 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। चारधाम ट्रांजिट केंद्र में 24 काउंटर तड़के से लेकर सुबह आठ बजे यात्रियों की कतारों से फुल दिखे।

महाराष्ट्र, यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों से यात्री ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे। केंद्र में जय बदरी, जय केदार के जयकारों के बीच यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराकर धामों का रुख किया। यात्रा पर जाने से पूर्व ट्रांजिट केंद्र में ही उनकी हेल्थ स्क्रीनिंग भी की गई। आवश्यक दवाओं के साथ दिल और ब्लड प्रेशर की समस्या से ग्रसित यात्रियों को विशेषज्ञों ने यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण सावधानियों से भी अवगत कराया। यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के ओएसडी डॉ. प्रजापति नौटियाल ने बताया कि 17 अप्रैल से अभीतक 14,346 यात्रियों ने चारधाम के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराया। यात्रा बस अड्डे पर भी यात्रियों की सुविधा के लिए छह काउंटर संचालित किए जा रहे हैं। बताया कि ट्रांजिट केंद्र में उनके चाय-नाश्ते और भोजन के लिए निशुल्क व्यवस्था भी की गई है।यात्रियों का फूलों से किया स्वागतचारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को ट्रांजिट केंद्र में पहुंचे यात्रियों का पर्वतीय एवं मैदानी मंच की महिलाओं ने फूलों से स्वागत किया। उन्होंने यात्रियों को सूक्ष्म जलपान कराने के साथ ही उनकी सुगम व सुरक्षित यात्रा की कामना भी की। फूलों की माला पहनाते हुए भगवान बदरी-केदार और गंगोत्री-यमुनोत्री के जयकारे भी लगाए। मंच से जुड़ी लक्ष्मी अग्रवाल ने बताया कि सदस्य इस तरह के सेवा कार्यों को निरंतर करते हैं। सदस्यों में ज्योति चमोली, अनीता तिवारी, इरम जोशी, कनिका नेगी, आशीष तिवारी, ममता जोशी, मोहित रतूड़ी आदि शामिल रहे।25 बसों से 800 यात्री रवाना-संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की 25 बसों से 800 यात्री चारधाम के लिए रवाना हुए। 18 अप्रैल से अभीतक 107 बसों में 3,500 यात्री धामों के लिए जा चुके हैं। धीरे-धीरे बढ़ रही यात्रियों की संख्या को लेकर निजी परिवहन कारोबारियों के चेहरों पर खुशी की लहर है। उन्हें इस साल यात्रा में आर्थिकी सुधरने की उम्मीद जगी। समिति अध्यक्ष भास्करानंद भारद्वाज ने बताया कि यात्रियों के लिए दो हजार बसों को रिजर्व किया गया है। चालकों-परिचालकों को यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार करने के लिए भी कहा गया है।

मनसा देवी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने को प्रशासन सख्त

हरिद्वार(आरएनएस)। मनसा देवी के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती तेज कर दी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने अपर रोड, मनसा देवी उड़न खटोला मार्ग और आसपास के क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क और फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने दुकानदारों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि नाली के बाहर या फुटपाथ पर दुकान या फड़ लगाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस और संबंधित विभागों को ऐसे अतिक्रमणों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। उड़न खटोला क्षेत्र में भी अव्यवस्था पर नाराजगी जताई गई। जिलाधिकारी ने प्रबंधक को निर्देश दिए कि टिकट घर के आसपास कोई दुकान संचालित न हो। मौके पर मौजूद अवैध दुकानों को हटाया गया और चेतावनी दी गई कि दोबारा उल्लंघन होने पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा डीएम ने अपर रोड पर चल रहे सीवरेज कार्यों की भी समीक्षा की। कार्यदाई संस्था और ठेकेदार को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

सिंचाई के अभाव में 78 फीसदी जमीन हुई बंजर, काश्तकारों में रोष

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिमलचौड़ के ऐता गांव में खोह नदी में बनी दोनों हाइड्रम योजनाएं लंबे समय से ठप पड़ी है जिससे काश्तकारों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। सिंचाई के अभाव में गांव की 78 फीसदी कृषि भूमि बंजर हो चुकी है। गांव के काश्तकारों में लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों के खिलाफ रोष व्याप्त है। काश्तकारों ने जिला प्रशासन से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। ऐता गांव में करीब 500 नाली कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लघु सिंचाई विभाग की ओर से वर्ष 1985 में खोह नदी में हाइड्रम योजना स्थापित की गई। इसके बाद एक अन्य हाइड्रम योजना बनाई गई। हाइड्रम योजना बनने के बाद काश्तकारों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही थी। पिछले तीन साल से दोनों योजनाएं ठप हैं जिससे काश्तकारों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। काश्तकार सुदीप बौंठियाल ने कहा कि विभागीय लापरवाही के कारण दोनों हाइड्रम योजनाएं ठप हैं जिससे काश्तकारों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। पिछले तीन साल में योजनाओं पर कोई काम नहीं हुआ है।

अतिक्रमण हटाने में पक्षपात के आरोप, ग्रामीणों-प्रशासन में झड़प

हरिद्वार(आरएनएस)। बदेडी बहादरपुर मार्ग पर अतिक्रमण हटाने पहुंची लोक निर्माण विभाग और तहसील प्रशासन की टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। निशानदेही के दौरान विवाद बढ़ा और दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद टीम को कार्रवाई बीच में ही छोड़कर लौटना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से चिह्नित मकानों पर कार्रवाई नहीं की गई, जबकि बिना नोटिस अन्य निर्माणों को तोड़ा गया। एक चबूतरे पर बुलडोजर चलाए जाने से मामला और भड़क गया। लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

बाजपुर में किसानों और एसएमआई कर्मियों के बीच ठनी

काशीपुर(आरएनएस)। अनाज मंडी स्थित एसएमआई तौल केंद्र पर गेहूं खरीद को लेकर तानातनी हो गई। भारतीय किसान यूनियन के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा और केंद्र के अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने जानबूझकर गेहूं में गुणवत्ता की कमी बताकर फसल खरीदने से इनकार कर दिया, जिससे गुस्साए किसानों ने जमकर हंगामा किया। भगत सिंह चौक पर गेहूं की बोरी रख जाम लगा दिया। बुधवार दोपहर विक्की रंधावा अपने गेहूं की तौल कराने केंद्र पहुंचे थे। इसी दौरान अधिकारियों ने फसल में कमी बताते हुए खरीद से मना कर दिया। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। विवाद बढ़ने पर केंद्र के कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया और तौल केंद्र पर ताला लगाकर चले गए। कर्मचारियों के इस रवैये से नाराज किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसान अपनी गेहूं की बोरियां लेकर भगत सिंह चौक पर पहुंच गए और सड़क पर फसल रखकर जाम लगा दिया। किसानों ने वहीं धरना शुरू कर दिया और सरकार व खाद्य विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। जाम के कारण आवागमन भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल नरेश चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान उसी दिन तौल शुरू कराने की मांग पर अड़े रहे। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने किसानों की बात फोन पर क्षेत्रीय विपणन अधिकारी (आरएमओ) लता मिश्रा से कराई। आरएमओ ने आश्वासन दिया कि वह गुरुवार को स्वयं बाजपुर पहुंचकर किसानों से वार्ता करेंगी और समस्या का समाधान निकालेंगी। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद करीब एक घंटे से चल रहा धरना समाप्त हो गया और किसान शांतिपूर्वक लौट गए। यहां प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, प्रताप सिंह संधू, बल्की सिंह चीमा, भूपेंद्र कौर बेदी, नवदीप कंग, गगन सरना, हरपाल सिंह, जोगेंद्र सिंह और पाल सिंह समेत कई किसान मौजूद रहे।

क्या आपको भी आती है ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल करने में परेशानी ?

जब मेकअप एप्लिकेशन की बात आती है, तो एक सौंदर्य ब्लेंडर एक गेम-चेंजर है। यह बहुमुखी और आसान उपकरण आपको निर्दोष, एयरब्रश्ड-जैसी फिनिश प्राप्त करने में मदद करता है, चाहे आप फाउंडेशन, कंसीलर या ब्लश का उपयोग कर रहे हों। हालांकि, इसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने और बैक्टीरिया के निर्माण को रोकने के लिए, नियमित सफाई आवश्यक है। इस लेख में, हम आपको एक सौंदर्य ब्लेंडर को साफ करने की प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे ताकि इसे प्राचीन स्थिति में रखा जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आपका मेकअप आवेदन बिंदु पर बना रहे।

क्यों अपने सौंदर्य ब्लेंडर की सफाई महत्वपूर्ण है

इससे पहले कि हम सफाई प्रक्रिया में उतरें, आइए समझें कि आपके सौंदर्य ब्लेंडर को साफ रखना क्यों महत्वपूर्ण है:

1. स्वच्छता और बैक्टीरिया

ब्यूटी ब्लेंडर आपकी त्वचा के सीधे संपर्क में आते हैं, तेल, मेकअप और पसीने को अवशोषित करते हैं। यदि नियमित रूप से साफ नहीं किया जाता है, तो वे बैक्टीरिया के लिए प्रजनन स्थल बन जाते हैं, जिससे ब्रेकआउट और त्वचा में जलन हो सकती है।

2. सम्मिश्रण दक्षता

एक गंदा ब्यूटी ब्लेंडर आपके मेकअप एप्लिकेशन में बाधा डाल सकता है। पुराने मेकअप अवशेष नए उत्पाद के साथ मिश्रण कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप असमान और पैची कवरेज हो सकता है।

3. ब्लेंडर का जीवनकाल

उचित सफाई आपके सौंदर्य ब्लेंडर के जीवन को बढ़ाती है। नियमित देखभाल सुनिश्चित करती है कि स्पंज नरम और उछाल भरा रहे, जिससे आप इसे अधिक विस्तारित अवधि के लिए उपयोग कर सकें।

अपने सौंदर्य ब्लेंडर की सफाई: चरण-दर-चरण गाइड

अब जब आप अपने सौंदर्य ब्लेंडर को साफ रखने के महत्व को समझते हैं, तो आइए चरण-दर-चरण सफाई प्रक्रिया का पता लगाएं:

चरण 1 - ब्यूटी ब्लेंडर को गीला करें

बहते पानी के नीचे अपने ब्यूटी ब्लेंडर को गीला करके शुरू करें। सुनिश्चित करें कि यह पर्याप्त पानी को अवशोषित करता है, जिससे यह फैलता है और नरम हो जाता है।

चरण 2 - क्लींजर लागू करें

स्पंज पर हल्के तरल साबुन या विशेष रूप से तैयार ब्यूटी ब्लेंडर क्लीन्ज़र की थोड़ी मात्रा निचोड़ें। धीरे से क्लीन्ज़र को ब्लेंडर में मालिश करें, इसे लैथर में काम करें।

चरण 3 - अच्छी तरह से धो लें

बहते पानी के नीचे ब्यूटी ब्लेंडर को तब तक धोएं जब तक कि पानी साफ न हो जाए। सुनिश्चित करें कि सभी साबुन और मेकअप अवशेष पूरी तरह से धोए गए हैं।

चरण 4 - जिद्दी दाग हटा दें

जिद्दी दाग के लिए, आप पानी और बेकिंग सोडा के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। एक पेस्ट बनाएं और इसे दाग वाले क्षेत्रों पर लागू करें। इसे धोने से पहले कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। धीरे से ब्यूटी ब्लेंडर से अतिरिक्त पानी निचोड़ें। इसे सूखने के लिए, इसे एक साफ तौलिया पर रखें और इसे हवा में सूखने दें। हेयर ड्रायर का उपयोग करने या इसे सीधे धूप के नीचे रखने से बचें, क्योंकि यह स्पंज को नुकसान पहुंचा सकता है।

रखरखाव के लिए अतिरिक्त युक्तियाँ

टिप 1 - हर उपयोग के बाद साफ करें

आदर्श रूप से, मेकअप अवशेषों को स्पंज में गहराई से बसने से रोकने के लिए हर उपयोग के बाद अपने सौंदर्य ब्लेंडर को साफ करें।

टिप 2 - कठोर क्लींजर से बचें

स्पंज को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए हल्के तरल साबुन या विशेष रूप से तैयार ब्यूटी ब्लेंडर क्लींजर का उपयोग करें।

टिप 3 - नियमित रूप से बदलें

ब्यूटी ब्लेंडर्स का जीवनकाल सीमित होता है। अपने उपयोग के आधार पर उन्हें हर तीन से चार महीने में बदलें।

टिप 4 - ठीक से स्टोर करें

मोल्ड के विकास को रोकने के लिए अपने ब्यूटी ब्लेंडर को एक साफ और अच्छी तरह हवादार क्षेत्र में स्टोर करें। अपने ब्यूटी ब्लेंडर को नियमित रूप से साफ करना स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने और निर्दोष मेकअप आवेदन प्राप्त करने में एक सरल लेकिन आवश्यक कदम है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

ब्रजभाषा के प्राचीन शब्द: पहचान और संरक्षण

●ललित शर्मा

जिस प्रकार हार अनेक मोतियों से मिलकर बनता है, उसी प्रकार कोई भी भाषा अनेक शब्दों से निर्मित होती है। यदि हार का एक भी मोती टूट जाए तो उसकी शोभा और पूर्णता प्रभावित हो जाती है। उसी प्रकार यदि किसी भाषा का एक शब्द लुप्त हो जाए, तो वह भाषा धीरे-धीरे अधूरी होती चली जाती है।

मथुरा एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में बोली जाने वाली ब्रजभाषा अपनी अनुपम मिठास, मधुरता और सहज सौंदर्य के कारण अत्यधिक लोकप्रिय है। परंतु अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीढ़ी दर पीढ़ी ब्रजभाषा बोलने वालों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। परिणामस्वरूप इसके अनेक शब्द समय के साथ लुप्त होते जा रहे हैं। जो शब्द हमारी पिछली पीढ़ियों द्वारा बोले जाते थे, वे वर्तमान पीढ़ी द्वारा अब प्राय: प्रयोग में नहीं लाए जाते हैं। वर्तमान समय में अनेक लोग ब्रजभाषा बोलने से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे इसे पिछड़ेपन से जोड़कर देखते हैं।

नेल्सन मंडेला ने कहा यदि किसी व्यक्ति से उसकी समझ की भाषा में बात करते हैं तो बात उसके मस्तिष्क तक जाती है, लेकिन यदि उसकी अपनी भाषा में बात करते हैं तो बात उसके हृदय तक जाती है। अपनी भाषा बोलना पिछड़ापन नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति पहचान और परंपरा पर गर्व करने का प्रतीक है।

ब्रजभाषा के अनेक प्राचीन शब्द ऐसे हैं, जिनका प्रयोग नई पीढ़ी ने लगभग बंद कर दिया है, और कुछ शब्दों का प्रयोग बहुत सीमित स्तर पर रह गया है। बनऊआ-परेशानी, कलेऊ-नाश्ता, मलूक-सुदर, मोंगरी-पटली, पांति-दावत, धौंताइ-सवेरा, उजीतो-प्रकाश, चपटा-घड़ा, धौरो-सफेद, पजरिगो-जलना, रीतो-खाली, निचावरो-शांतिपूर्ण, भड़क-दर्द,

उहारो-नंगा, धिंगरई-जबरदस्ती, धींगरा-ताकत, निहोरे-मनामने, अलोना-फीका आदि ब्रजभाषा के प्राचीन शब्दों के लुप्त होने की समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से संभव है। इसके लिए अनेक उपाय किए जा सकते हैं।

बच्चों से घर में ब्रजभाषा में बात की जाए ताकि वे स्वाभाविक रूप से शब्द सीख सकें। स्कूलों में ब्रजभाषा से संबंधित कविता, लोकगीत, कहावतें, और शब्दावली पढ़ाई जाए। ब्रजभाषा में पुस्तकें, लेख, पत्रिकाएं और कहानियां लिखी व प्रकाशित की जाए। युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए ब्रजभाषा में वीडियो, रील और पोस्ट बनबाए जाएं। पुरानी पीढ़ी द्वारा बोले जाने वाले शब्दों, मुहावरों और कहावतों को लिखित रूप में सुरक्षित किया जाए।

ब्रजभाषा के महत्व और उसकी लोकप्रियता को देखते हुए बॉलीवुड फिल्मों तथा टीवी चौनलों पर ब्रजभाषा आधारित धारावाहिकों का निर्माण किया जाना चाहिए। कुछ हद तक इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। ब्रजभाषा में 'मट्टो की साइकिल' जैसी फिल्म का निर्माण किया जा चुका है। वर्तमान में कुछ यूट्बरों, भागवताचार्यों और साधु -संतो के माध्यम से ब्रजभाषा के प्रचार एवं प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

आईपीएल में जिस प्रकार भोजपुरी, हरियाणवी आदि क्षेत्रीय भाषाओं में कमेंट्री का प्रसारण हो रहा है, उसी प्रकार ब्रजभाषा में भी कमेंट्री प्रसारित की जाए, तो ब्रजभाषा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। मथुरा आकाशवाणी से ब्रजभाषा में समाचारों का प्रसारण किया जाना चाहिए तथा अनेक कार्यक्रमों का संचालन और प्रसारण भी ब्रजभाषा में होना चाहिए। यदि मथुरा के जनप्रतिनिधि संसद, विधानमण्डल में समय-समय पर ब्रजभाषा में वक्तव्य दें तो ब्रजभाषा की लोकप्रियता में निश्चित रूप से बृद्धि होगी। इस दिशा में मथुरा-वृन्दावन के विधायक माननीय श्री श्रीकान्त शर्मा द्वारा ब्रजभाषा में विधानसभा में भाषण देना एक सराहनीय पहल है। अनेक विदेशी लोग ब्रजभाषा सीखने में अत्यधिक रूचि दिखा रहे हैं और उसे बोलने में गर्व महसूस कर रहे हैं, जबकि हमारी ब्रजभाषा बोलने वाली युवा पीढ़ी स्वयं को हीनभावना का अनुभव कर रही है।

युवा पीढ़ी को ब्रजभाषा बोलने में किसी प्रकार की झिझक नहीं रखनी चाहिए, बल्कि अपनी मधुर, समृद्ध और सांस्कृतिक धरोहर स्वरूप ब्रजभाषा पर गर्व करते हुए उसका सम्मान और प्रयोग करना चाहिए।

ब्रजभाषा के लुप्त होते शब्द केवल शब्द नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, लोकजीवन परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं। यदि समय रहते संरक्षण और पुर्नप्रयोग की दिशा में प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ीयां अपनी भाषाई, विरासत से वंचित हो जायेगी। इसलिए आवश्यक है कि परिवार, समाज, शिक्षा, साहित्य और मीडिया के माध्यम से इन प्राचीन शब्दों को बोलचान में स्थान दिया जाए ताकि ब्रजभाषा की मिठास, समृद्धि और पहचान जीवित रहे।

शब्द सामर्थ्य -011

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 10 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

1978 दंगों के पीड़ित सेठ बनवारी के रूप में दिखे रजनीश दुग्गल

संभल के इतिहास से जुड़ी एक संवेदनशील घटना पर बनी फिल्म कल्कि संभल' लगातार चर्चा में बनी हुई है। 1978 के संभल दंगों की पृष्ठभूमि पर तैयार हो रही यह फिल्म शुरुआत से ही सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक बहस का केंद्र रही है। पहले पोस्टर के सामने आते ही जहां विवाद और चर्चाएं तेज हो गई थीं, वहीं अब मेकर्स ने दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद बहस एक बार फिर गर्मा गई है। इस बार फिल्म निर्माताओं ने दंगों से जुड़े एक अहम और दर्दनाक किरदार को सामने रखा है, जिसने उस दौर की पीड़ा और जख्मों को फिर से याद दिला दिया है। रिलीज किए गए दूसरे पोस्टर में सेठ बनवारी लाल गोयल के किरदार से पर्दा उठाया गया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, सेठ बनवारी लाल गोयल 1978 के संभल दंगों में मारे गए प्रमुख पीड़ितों में शामिल थे। बताया जाता है कि वह उस समय मुरारी लाल एंड संस' नाम की एक प्रतिष्ठित फर्म के मालिक थे और संभल के जाने-माने उद्योगपतियों में उनकी गिनती होती थी।

दंगों के दौरान भड़की हिंसा में सेठ बनवारी लाल गोयल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। फिल्म में इस किरदार को अभिनेता रजनीश दुग्गल निभा रहे हैं। इस भूमिका के जरिए मेकर्स उस दौर की त्रासदी और आम लोगों पर टूटे हिंसा के कहर को दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

दूसरा पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कुछ लोग इसे इतिहास के उस हिस्से को सामने लाने की कोशिश बता रहे हैं, जिसे वक्त के साथ भुला दिया गया। वहीं, कुछ वर्ग फिल्म की मंशा और इसके संभावित असर को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले फिल्म के पहले पोस्टर को लेकर भी राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर काफी विवाद हुआ था। फिल्म के निर्माण और इसके विषय को लेकर बयानबाजी तेज हो गई थी, जो अब दूसरे पोस्टर के बाद फिर से चर्चा में आ गई है।

प्रीति मुकुंदन, नागजिला से कर रहीं बॉलीवुड में एंट्री

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली रोमांचक फिल्म नागजिला को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार चर्चा सिर्फ कार्तिक की नहीं, बल्कि उनके साथ नजर आने वाली अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की भी हो रही है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीति अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड सफर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन हैं प्रीति मुकुंदन, आइए जानते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से बेहद खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुद प्रीति भी इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें दर्शकों के सामने अपना एक अलग अंदाज पेश करने का मौका मिल रहा है।

प्रीति एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जो अब तक कई तेलुगू, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रीति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म स्टार के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उधर मैंने प्यार किया उनकी पहली मलयालम फिल्म थी। प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा गया था।

मनोज बाजपेयी से टक्कर लेने के लिए विलेन बनेंगी दिव्या दत्ता!

मनोज बाजपेयी को आखिरी बार फैमिली मैन सीजन 3 में देखा गया था। अब अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें उनके साथ दिव्या दत्ता भी नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में अभिनेत्री बतौर खलनायिका शामिल होंगी और अभिनेता की मुश्किलें बढ़ाएंगी। यह फिल्म मशहूर लेखक अरविंद अडिगा के उपन्यास लास्ट मैन इन टावर पर आधारित होगी, जिसका ऐलान नवंबर, 2025 में किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्देशन की कमान साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने उठाई है। सूत्र ने बताया कि दिव्या का किरदार केंद्रीय भूमिका निभाने वाला है। उन्होंने कहा, दिव्या की खलनायिका एकतरफा नहीं है; उसे निर्मम और चालाक दिखाया गया है, लेकिन उसमें कुछ कमजोरियां भी हैं। यह फिल्म दिव्या और मनोज के किरदारों के बीच तनाव पर आधारित है। परियोजना पर काम जारी है और निर्माताओं का लक्ष्य जुलाई से दिसंबर, 2026 के बीच शूटिंग शुरू करना है। मुंबई की एक आवासीय कॉलोनी में घटित लास्ट मैन इन टावर की कहानी एक ऐसे शिक्षक के इर्द-गिर्द घूमेगी जो इमारत के पुनर्विकास पर विचार किए जाने के दौरान एक रियल एस्टेट डेवलपर को अपना फ्लैट बेचने से मना कर देता है। इस कहानी के जरिए लेखक ने अपने उपन्यास में लालच, महत्वाकांक्षा और शहरी विकास जैसे विषयों को उजागर किया है। बता दें, दिव्या को हाल ही में रिलीज चिरैया सीरीज के लिए काफी सराहना और तारीफें मिली हैं।

अवैध शस्त्रों पर कड़ा शिकंजाः व्यापक चेकिंग, गन हाउस निगरानी और सीसीटीवी बैकअप अनिवार्य

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अवैध शस्त्र निगरानी समिति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अवैध शस्त्रों की निगरानी, सत्यापन एवं नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर व्यापक स्तर पर चेकिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही, अन्य राज्यों से स्थानांतरित होकर आए व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंसों का विशेष अभियान चलाकर सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जनपद में संचालित हथियार एवं गोला-बारूद की दुकानों/गन हाउसों का समय-समय पर औचक निरीक्षण करने तथा निर्धारित सीमा से अधिक कारतूस खरीदने वाले व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

बैठक में पुलिस उपाधीक्षक को अपराध प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण से संबंधित मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, सभी गन हाउसों में सीसीटीवी डेटा का कम से कम एक वर्ष का बैकअप सुरक्षित रखना अनिवार्य किया गया। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित बार, पब एवं अन्य रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों के लिए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने, महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों एवं पुलिस पिकेट का विस्तार करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही, लंबे समय से नवीनीकरण न कराने वाले शस्त्र लाइसेंसों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत नियमित (लीगलाइज) करने की कार्यवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अजय शाह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसएसपी श्वेता चौबे के प्रयास से 'इंदिरा' को मिला सुरक्षित आश्रय

संवाददाता

टिहरी। एसएसपी श्वेता चौबे की मानवीय प्रयास से अर्द्धविक्षिप्त महिला इंदिरा को सुरक्षित आश्रय मिल गया।

आज यहां टिहरी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि विगत कई दिनों से एक अर्धविक्षिप्त महिला आस्था पथ एवं स्वामीनारायण आश्रम के आसपास लावारिस अवस्था में घूम रही है। महिला की मानसिक स्थिति भी अस्थिर प्रतीत हो रही थी, जिससे उसके साथ किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई थी।

सूचना पर संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे द्वारा तत्काल क्षेत्राधिकारी नरेंद्रनगर एवं प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती को महिला के संबंध में जानकारी एकत्रित करने एवं उसके समुचित पुनर्वास हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

निर्देशों के अनुपालन में मुनि की रेती पुलिस टीम द्वारा महिला से पूछताछ का प्रयास किया गया, किंतु वह अपने नाम "इंदिरा" के अतिरिक्त कोई अन्य जानकारी देने में असमर्थ रही। महिला की मानसिक स्थिति अत्यंत कमजोर पाई गई। तत्पश्चात महिला आरक्षी की सहायता से उक्त महिला को पुलिस चौकी जानकी सेतु लाया गया, जहां उसे स्नान कराकर भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। पुलिस टीम द्वारा उसे शांतिपूर्वक सांत्वना देते हुए पुनः जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया, परंतु वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं थी। इसके उपरांत टिहरी पुलिस द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए महिला का चिकित्सीय परीक्षण राजकीय चिकित्सालय, ऋषिकेश में कराया गया। तत्पश्चात, समुचित देखभाल सुनिश्चित करने हेतु उसे "अपना घर आश्रम", शामली (उत्तर प्रदेश) में स्वयं ले जाकर सुरक्षित रूप से दाखिल कराया गया। उल्लेखनीय है कि "अपना घर आश्रम" एक प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था है, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं असहाय महिलाओं एवं पुरुषों को आश्रय, देखभाल एवं पुनर्वास प्रदान करती है।

टिहरी पुलिस की इस सराहनीय पहल को आस्था पथ क्षेत्र के आश्रम संचालकों, स्थानीय निवासियों एवं यात्रियों द्वारा व्यापक रूप से सराहा जा रहा है। यह कार्य पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सफलता के लिए कठिन परिश्रम ही सबसे बड़ी साधनाः तोमर

संवाददाता

देहरादून। भारतीय तटरक्षक बल के पूर्व महानिदेशक राजेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम ही सबसे बड़ा साधन है।

आज यहां सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज, साहिया में आज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के विभागाध्यक्ष एवं भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के पूर्व महानिदेशक राजेंद्र सिंह तोमर का आगमन हुआ। उनके महाविद्यालय पहुंचने पर चेयरमैन अनिल सिंह तोमरए प्राचार्य डॉ. रवि कुमार, उप.प्राचार्य डॉ. प्रियंका जलाल, शिक्षकगण एवं छात्र.छात्राओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर तोमर ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए जीवन में अनुशासनए निरंतर परिश्रम और लक्ष्य-उन्मुख तैयारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम ही सबसे बड़ा साधन है और युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने अनुभव साझा करते हुए तोमर ने बताया कि जब उन्होंने सरकारी सेवा प्रारंभ कीए तब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें तैरना आता है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा क्योंकि वे अपने गांव की नदी में तैर चुके थे। लेकिन जब उन्हें वास्तविक प्रशिक्षण के दौरान तैरने के लिए भेजा गया तब उन्होंने महसूस किया कि यह अनुभव कहीं अधिक व्यापक और चुनौतीपूर्ण है।

इस उदाहरण के माध्यम से उन्होंने छात्रों को समझाया कि कक्षा तक सीमित ज्ञान पर्याप्त नहीं होता, बल्कि वास्तविक जीवन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक बड़ा होता है। उन्होंने छात्रों को संदेश दिया कि वे स्वयं को बड़े लक्ष्य और व्यापक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करें, ताकि जीवन की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सकें। तोमर ने महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सह.शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए विशेष रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और विभिन्न विशेष अवसरों पर आयोजित कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

आने वाले समय में फॉरेंसिक साइंस का बढ़ेगा दायरा - डॉ राजेश

उत्तरकाशी(आरएनएस)। श्रीमती मंजीरा देवी विश्वविद्यालय में फॉरेंसिक साइंस और कॅरिअर के अवसरों में इसकी संभावनाओं पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता व फॉरेंसिक साइंस के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि आने वाले समय में फॉरेंसिक साइंस का दायरा और अधिक व्यापक होगा। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति डॉ. हरिशंकर नौटियाल, गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं विश्वविद्यालय के एडवाइजर प्रो. डॉ. जेपी पचौरी, शिक्षाविद डॉ. योगेश कुमार शर्मा व मैनेजिंग डायरेक्टर अधिवक्ता पवन नौटियाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति डॉ. भगवन नौटियाल ने कहा कि ऐसे सेमिनार विद्यार्थियों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक करियर क्षेत्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि सरकारी फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं, पुलिस विभाग, न्यायालयों, केंद्रीय जांच एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों एवं निजी क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही साइबर अपराधों में वृद्धि के कारण साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की आवश्यकता तेजी से बढ़ी है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के फॉरेंसिक साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार यादव ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से अपराधों की जांच को अधिक सटीक, निष्पक्ष और प्रमाणिक बनाना है।

वन विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से बंजर भूमि में उगा हरा-भरा जंगल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। मताड़ी गांव में जिस सिविल भूमि पर ग्रामीणों ने पहले चरान चुगान के लिए वनीकरण का प्रस्ताव ठुकराया था वही भूमि आज गांव की पहचान बन गई है। यह प्रयास ग्रामीणों और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। मताड़ी तोक में 3.25 हेक्टेयर भूमि पर लगे बांज, देवदार, कचनार जैसे पौधों से भविष्य में काफी फायदा मिलेगा।वर्ष 2020 में वन प्रभाग ने मातला गांव की बंजर भूमि पर वनीकरण की योजना बनाई। ग्रामीणों ने इसे मवेशियों की चरान चुगान भूमि बताकर प्रस्ताव ठुकराया। वन विभाग ने ग्रामीणों को भविष्य के फायदे समझाकर मनाने में सफलता पाई। फिर मताड़ी तोक में ग्रामीणों की मांग पर फलदार और चारापत्ती के पौधे रोपे गए। वनीकरण भूमि को बंधान घोषित कर एक महिला को चौकीदारी दी गई। महज छह साल में मताड़ी तोक एक लहलहाता छोटा जंगल बन गया है। यह जंगल अब पक्षियों के लिए भी सुरक्षित प्रजनन स्थान बन रहा है। उप प्रभागीय वनाधिकारी साधु लाल पलियाल ने आज पृथ्वी दिवस पर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर ग्रामीणों ने वनीकरण से मना किया था वह आज गांव की पर्यावरणीय पहचान है।

सू- दोकू क्र.011

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.10 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भाजपा समर्थित लोगों का विपक्षी दलों के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश(आरएनएस)। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को गिराए जाने पर भाजपा से जुड़े संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की और विपक्षी दलों को नारी विरोधी बताया।

कोयल घाटी पर भाजयुमो, वंदे मातरम ग्रुप और हिन्दू रक्षा मंच सहित अन्य भाजपा समर्थित संगठनों के सदस्य एकत्रित हुए। उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों का पुतला दहन किया। विधायक प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि जब-जब महिलाओं के हितों से जुड़े बड़े निर्णय लेने का समय आता है, तब-तब विपक्ष राजनीति से प्रेरित होकर बाधा उत्पन्न करता है।

प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा कविता शाह ने कहा कि देश की महिलाएं अब जागरूक हो चुकी हैं और वे ऐसे महिला विरोधी रुख का जवाब आने वाले समय में अवश्य देंगी। भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री कौशल बिजलवान ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जिसे विपक्ष द्वारा बाधित करना उनकी महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को समान अधिकार एवं अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, लेकिन विपक्षी दल इस प्रकार के महत्वपूर्ण विधेयकों को रोककर देश की आधी आबादी के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस दौरान नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लगाए गए।मौके पर वंदे मातरम ग्रुप से छात्र संघ सहसचिव तानिया पाल, पार्षद मुस्कान चौधरी, पार्षद तनु तेवतिया, पार्षद रीना शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता महिला मोर्चा ममता रतूड़ी, नगर छात्रा प्रमुख वृंदा कौशल, सुहानी सेमवाल, पिंकी धस्माना, सीमा पयाल, वंशिका शर्मा, शिवानी मिश्रा, प्रियंका कुमारी, दुर्गा जिंदल, गुड्डी कलुडा, सुजीत यादव, अनिरुद्ध शर्मा, रणजीत धामी, अमनदीप नेगी, अभिषेक रावत, पंकज थपलियाल, मयंक भट्ट आदि उपस्थित रहे।

गोल्ज्यू यात्रा का पुष्प वर्षा से साथ किया भव्य स्वागत

उत्तरकाशी(आरएनएस)। बड़ेथी में गोल्ज्यू यात्रा के आगमन पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। वहीं, जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने गोल्ज्यू के रथ में देव डांगरों का पूजन वंदन किया। गोल्ज्यू यात्रा बड़ेथी राजराजेश्वरी मंदिर में पहुंची। श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों ने जयकारों के साथ रथ यात्रा का स्वागत किया।

इस मौके पर यात्रा के संरक्षक पूर्व मंत्री लाखीराम जोशी ने बताया कि अपनी धरोहर न्यास के सहयोग से तीसरी बार यात्रा उत्तराखंड भ्रमण पर है। 19 अप्रैल से 9 मई तक 3500 किमी लंबी यात्रा का उद्देश्य उत्तराखंड की अपनी सांस्कृतिक विरासत आगे संरक्षण और संवर्धन के साथ आम लोगों से रूबरू कराया जाना है। गोल्ज्यू यात्रा राजराजेश्वरी मंदिर बड़ेथी से बौखनाग मंदिर सिलक्यारा, शिव गुफा, मातली के लिए रवाना हुई जो रात्रि विश्राम सुदामा कुटिया बड़ेथी में करेगी।

इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी रामकिशोर दास त्यागी, यमुनोत्री के पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, पूर्व मंत्री ज्ञानचंद, विजय भट्ट, कमल सिंह जीना, दीपचंद पांडेय, पूर्व सभासद प्रियंका बडोनी मौजूद रहे।

पूर्णा गांव में शराब बंद, समारोह में लगाएंगे पौधा

चमोली (आरएनएस)। ग्राम पंचायत पूर्णा की महिला मंगल दल की बैठक में गांव में शराब के प्रचलन को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शादी, समारोह समेत सभी शुभ कार्य में एक पौधा लगाने का प्रस्ताव पारित हुआ। कनिष्ठ उपप्रमुख पिंकी देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बढ़ते शराब के चलन पर चिंता जताई गई। महिलाओं ने गांव में शराब परोसने व शराब पीकर गांव में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित किया। बैठक में जंगलों को आग से बचाने, हर शुभ कार्य में एक पेड़ लगाकर उसकी स्वयं देखभाल करने, गांव के पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने, अपने आसपास स्वच्छता बनाने व महिला मंगल दल व युवक मंगल दल को खेलकूद सामग्री प्रदान करने पर चर्चा हुई। बैठक में प्रधान सीमा देवी, पिंकी देवी, सरपंच गोविंद सोनी, युमंद अध्यक्ष विकेश कुमार, महिला समूह की अध्यक्ष रेखा मिश्रा, मनोज कुमार, देवप्रकाश, उमेश मिश्रा, कमला देवी, मनीषा आदि शामिल रहे।

जरुरतमंदों को सीएम सहायता राशि के चैक दिए

विकासनगर (आरएनएस)। सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर ने सुद्धोवाला स्थित कैंप कार्यालय में सिंघनीवाला, शेरपुर, चकमनसा के निर्धन परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। विधायक ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि वे भविष्य में भी हर संभव सहायता के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे और क्षेत्र के विकास व जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

यात्रियों की सुरक्षा में कोई भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी - एसपी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और सुगम यात्रा प्रबंधन को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय ने गंगोत्री धाम पहुंचकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसपी ने ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी गंगोत्री धाम में मां गंगा की संध्याकालीन आरती में शामिल होकर एसपी ने पूजा-अर्चना की और सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की। धाम में स्नान घाटों की सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुचारु आवाजाही को लेकर ठोस योजना बनाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार, पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार, रविकान्त सेमवाल, प्रभारी निरीक्षक हर्षिल प्रदीप तोमर, चौकी प्रभारी गंगोत्री प्रमोद उनियाल मौजूद रहे।

वन मंत्री ने फायर वाचरों को बांटी सुरक्षा किट

ऋषिकेश(आरएनएस)। नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के दिग्वली थौल में आयोजित थौल महोत्सव में वनाग्नि की रोकथाम एवं नियंत्रण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फायर वॉचर्स को फायर सेफ्टी किट वितरित की गई।

वन अधिकारियों द्वारा वनाग्नि प्रबंधन की जानकारियां भी दी गई। थौल महोत्सव का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। उन्होंने कहा कि वनाग्नि की घटनाएं पर्यावरण, वन्यजीव एवं स्थानीय जनजीवन के लिए गंभीर चुनौती हैं। फायर वॉचर्स अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं, जो कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए वनाग्नि पर नियंत्रण पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें आधुनिक उपकरणों एवं सुरक्षा किट उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं सुरक्षा दोनों में वृद्धि हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फायर वॉचर्स को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तथा वनाग्नि प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने स्थानीय जनभागीदारी बढ़ाने एवं जन-जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया।

प्रभागीय वनाधिकारी नरेन्द्रनगर वन प्रभाग दिगांथ नायक ने कहा कि वन मुख्यालय स्तर से सुरक्षा किटों का आवंटन प्रभाग को हुआ है, जिसको प्रत्येक फन्ट लाईन स्टाफ को वितरित किया जाना है। प्रत्येक फायर वाचर का 10 लाख का बीमा भी करवाया जा चुका है एवं स्थानीय जनता से पिरूल एकत्रीकरण करने की अपील की गई है, जिसमें 10 रुपये प्रति किलो प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में फायर वॉचर्स को फायर सेफ्टी किट में फायर बीटर, रेक, फावड़ा, पानी की बोतल और टैंक, सुरक्षात्मक दस्ताने, हेलमेट, मास्क, फायर सेफ्टी डांगरी तथा प्राथमिक उपचार सामग्री जैसे आवश्यक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा वनाग्नि प्रबंधन की तैयारियों की जानकारी भी दी गई। मौके पर उप प्रभागीय वनाधिकारी देवप्रयाग अनिल कुमार पैन्यूली, वन क्षेत्राधिकारी मदन सिंह रावत, विवेक जोशी आदि उपस्थित रहे।

वृद्धावस्था पेंशन फर्जीवाडे मामले में प्रदेश भर में सघन अभियान चलाये सरकारः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन फर्जीवाडे के मामले में सरकार प्रदेश भर में सघन अभियान चलाये।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जिस तरह से जनपद देहरादून के एक गांव में फर्जीवाडा कर अधिक उम्र दर्शाकर वृद्धावस्था पेंशन लेने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, निश्चित तौर पर इसी की तर्ज में पूरे प्रदेश भर में सरकार को सघन अभियान चलाना चाहिए और इस फर्जीवाडे में शामिल लाभार्थी और संस्तुति कर्ता दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने एवं फर्जीवाडा/ जालसाजी व कुटरचित दस्तावेजों के आधार पर उम्र बढ़ाकर हासिल की गई पेंशन की रिकवरी दोनों से करनी चाहिए। ऐसे जनप्रतिनिधियों पर हमेशा के लिए चुनाव लड़ने पर रोक लगनी चाहिए। नेगी ने आशंका जताई कि अकेले जनपद देहरादून में 1000 से अधिक लोग ऐसे हैं,जो कई वर्षों से 50-55 साल की उम्र में वृद्धावस्था पेंशन हासिल कर रहे हैं। अगर पूरे प्रदेश में इन (लाभार्थियों- नेताओं- दलालों एवं अधिकारियों) जालसाजों के खिलाफ सरकार सघन अभियान चलाती है तो निश्चित तौर पर हजारों की तादाद में ये जालसाज सलाखों के पीछे होंगे। सरकार को इन जालसाजों से रिकवरी के लिए भी सख्त निर्देश जारी करने चाहिए। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

स्कार्पियों की टक्कर से विक्रम में बैठी सवारियां घायल

संवाददाता

देहरादून। स्कार्पियों की टक्कर से विक्रम में बैठी सवारियों के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार काले की ढाल शास्त्रीनगर निवासी रमेश कुमार ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने विक्रम में सवारियां भरकर ऋषिकेश की ओर जा रहा था जब वह मोतीचूर फ्लाईओवर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही स्कार्पियो कार ने उसके विक्रम पर टक्कर मार दी जिससे उसमें बैठी एक बच्ची व एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल सवारों ने लूटा फोन

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवारों ने सडक पर चले रहे व्यक्ति के हाथों से फोन लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर खुर्द निवासी आयुष रावत ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह नेपाली फार्म के पास फोन पर बात करते हुए जा रहा था तभी मोटरसाईकिल पर सवार दो लोग वहां आये और उसके हाथ से फोन लूटकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

त्यागी रोड से भंडारी बाग के बीच बनने वाला फ्लाईओवर शीघ्र पूर्ण करे सरकारः समिति

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने सरकार से त्यागी रोड से भंडारी बाग की ओर बनने वाले फ्लाईओवर को शीघ्र पूरा करने की मांग की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने एक संयुक्त प्रेस व्यक्ति जारी करते हुए प्रदेश सरकार से मांग करते हुए त्यागी रोड से भंडारी बाग की ओर बन रहे फ्लाईओवर ब्रिज को शीघ्र पूरा कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि काफी समय से यह ब्रिज बन रहा है लेकिन अभी तक इसका कार्य पूरा नहीं हुआ है जो की एक सोचनीय और विचारणीय विषय है। उन्होंने कहा है कि सरकार भी यही चाहती है कि ब्रिज बनकर तैयार होने से बढ़ते यातायात के दबाव पर कुछ हद तक रोक लग सकेगी और दुर्घटनाएं भी कम होंगी। इसी लिएं समिति जन हित में मांग करती है कि फ्लाईओवर जल्द पूरा किया जाए। डंडरियाल और वारसी ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि वह घंटाघर से लेकर बिंदाल तक भी फ्लाईओवर ब्रिज बनवाएं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि प्रशासन बरसात से पूर्व त्यागी रोड से भंडारी बाग तक के फ्लाईओवर ब्रिज को पूरा अवश्य कराएगी ताकि जनता को भीड़ भाड़ से राहत मिले और सुविधा हासिल हो और जो क्षेत्र में लोगों को इस कारण परेशानियां हो रही है उससे जनता को निजात मिले।

सैनिक कल्याण मंत्री से भूतपूर्व सैनिकों के प्रतिनिधि मंडल ने की भेंट

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से उनके शासकीय आवास पर भूतपूर्व सैनिक(भारतीय सेना एवं अध 'सैनिक बल) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से उनके शासकीय आवास पर भूतपूर्व सैनिक(भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बल) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी को अवगत कराया कि जनपद देहरादून के हरबर्टपुर क्षेत्र में स्थित भूमि, जो प्रभावित परिवारों एवं पूर्व सैनिकों से संबंधित है, उसके क्रय-विक्रय, उपयोग एवं पूर्ण भूस्वामित्व अधिकार प्रदान किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए।

इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का आग्रह किया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरण में प्रस्तुत अभिलेखों एवं पूर्व में निर्गत आदेशों का समुचित परीक्षण करते हुए मामले में प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों के हितों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर हरबर्टपुर नगर पालिका अध्यक्ष नीरू देवी, पूर्व सैनिक संग्राम सिंह, धर्मानंद सहित अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

डीजे को लेकर हुए विवाद में महिलाओं सहित 11 हिरासत में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली पिरान कलियर क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर में शादी समारोह के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले और पत्थरबाजी हुई, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 महिलाओं और 4 पुरुषों समेत कुल 11 लोगों को हिरासत में लेकर कानून व्यवस्था पर सख्त संदेश दिया है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक महिलाओं के प्रति अश्लील इशारे करता नजर आ रहा है। इस हरकत को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों में खासा आक्रोश है और कड़ी निंदा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल की रात शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। मामला शांत होने से पहले ही अगले दिन फिर से तनाव बढ़ गया और विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों के साथ पत्थरबाजी शुरू हो गई। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में लिया।

पुलिस ने मौके से 11 लोगों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी चुनावी रंजिश भी चली आ रही है और पहले भी इनके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि गांव में बार-बार हो रहे विवाद को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। हिरासत में लिये गये आरोपियों के नाम चांद खां पुत्र नसीर (52 वर्ष) महिला(40 वर्ष), महिला(25 वर्ष) शिफत पुत्र किफायत (33 वर्ष) व चार अन्य महिलाओं सहित तनवीर पुत्र माहिर उम्र 34 वर्ष व दानिश पुत्र रौनक उम्र 35 वर्ष शामिल है।

एसटीएफ व सितारगंज पुलिस ने 25 हजार के ईनामी को किया मथुरा से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ व सितारगंज पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए मथुरा रेलवे स्टेशन से 25 हजार की ईनामी को गिरफ्तार कर उसको उत्तराखण्ड लाया गया।

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड के देवभूमि उत्तराखण्ड को अपराध मुक्त बनाये रखने के मिशन के अन्तर्गत पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड दीपम सेठ द्वारा दिये गये निर्देशो के क्रम में चलाये जा रहे आप्रेशन प्रहार अभियान के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस.टी.एफ. अजय सिंह द्वारा सभी एसटीएफ टीमो को संगठित गैंग/गैंगस्टर, पेशेवर अपराधियों/असमाजिक तत्वो आदि के सम्बन्ध में इनपुट विकसित कर कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे। इस क्रम में एसटीएफ की कुमाऊं टीम द्वारा कोतवाली सितारगंज की टीम के साथ मिलकर रेलवे स्टेशन मथुरा से कोतवाली सितारगंज मे पंजीकृत हत्या के प्रयास एवं लूट का शातिर 25 हजार का इनामी बदमाश चेतन सिंह बिष्ट पुत्र नर सिंह बिष्ट निवासी चांदनी चौक घुडदौड़ा, कालीनगर, हल्द्वानी जनपद नैनीताल को देर रात्रि गिरफ्तार किया गया।

बदमाश चेतन सिंह बिष्ट द्वारा अपने साथियो के साथ मिलकर माह फरवरी-2025 में कोतवाली सितारगंज क्षेत्र मे एक परचून की दुकान के गल्ले से पैसे एवं 03 फोन की लूट की गयी थी, दुकानदार के विरोध करने पर उसके सर पर कुल्हाड़ी से वार कर मरणासन अवस्था मे घायल कर फरार हो गया था। उक्त घटना से सम्बन्धित 02 लोगों को पूर्व मे गिरफ्तार किया जा चुका था, चेतन बिष्ट तब से लगातार फरार चल रहा था तथा उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश मे अलग अलग जगह मे छुप कर अन्य घटनाओ को अंजाम दे रहा था। चेतन के विरुद्ध जनपद नैनीताल मे भी पूर्व से चोरी और लूट के मुकदमें दर्ज है।

भाजपा को फिर 'मोदी लहर' की 'उम्मीद'

❑भाजपा को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में मोदी फैक्टर से बड़ी हैं उम्मीदें

❑2017 और 2022 के उत्तराखंड चुनाव में मोदी फैक्टर ने जिताया था पार्टी को

❑कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए सरकार की नाकामियों को आमजन को गिना रही

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य बनने से लेकर 2017 तक का इतिहास रहा है कि यहां का मतदाता बदलाव में विश्वास करता है और इसे जमीनी हकीकत में परिवर्तित करता है। लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से मतदाता मोदी लहर में गोते लगाने लगा और उसी में रम गया। इसका यह प्रत्यक्ष उदाहरण है कि सूबे में मतदाताओं ने लगातार दो बार भाजपा को ही सत्ता सौंप दी। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बीजेपी को उम्मीद है कि इस बार भी पिछली बार की तरह 'मोदी लहर' के सहारे पार्टी सत्ता में वापसी की उम्मीद है।

बता दें कि 2017 और 2022 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत में प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव महत्वपूर्ण था। उन चुनावों में भाजपा की प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस सीटें लाने में सफल नहीं हुई थी। सत्ता से दूर बैठी कांग्रेस के लिए इस बार जमीन पर मेहनत करने की ज्यादा जरूरत है। हालांकि, राजनीतिक जानकार इस बार भाजपा की संभावनाओं को ज्यादा नहीं आंकते हैं। उनका कहना है कि लगातार दो बार सरकार में रहते हुए कई आरोप और युवाओं के मन को भाजपा अभी तक भांप नहीं पाई है और अपने विकास कार्यों के साथ-साथ मोदी लहर को भी जीत का आधार बनाकर चल रही है।

भाजपा की मानें तो सरकार ने प्रदेश में विकास के लिए केंद्र के सहयोग से बहुत काम किए है। भाजपा की मानें तो प्रदेश में बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक और पर्यटन का विकास के साथ-साथ कई ऐसे फैसले लिए है, जो देश के लिए नजरी बने है। इसके साथ ही विकास की उस गंगा को गांव-गांव तक पहुंचाया है, जिसकी लंबे समय से प्रदेश की जनता वाट जोह रही थी। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार द्वारा लागू किए गए समान नागरिक संहिता और धर्मांतरण विरोधी कानूनों को मोदी ने साहसी कदम बताया है, जिससे जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता बढ़ी है। यही नहीं राज्य में लगातार विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और हिंदुत्व के एजेंडे पर केंद्रित है। इससे प्रदेश की जनता का रूख भाजपा की ओर है।

वही दूसरी ओर राजनीतिक जानकार कहते हैं कि फिलहाल राज्य की जनता बीजेपी से बहुत खुश नहीं है। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में मोदी फैक्टर ने पार्टी की नैया पार लगाई थी, लेकिन इस बार क्या मोदी लहर चल पाएगी या नहीं यह चुनाव की घोषणा और परिणाम के बाद ही पता चल पाएगा। राजनीतिक जानकारों की माने तो इस बार परिस्थितियां विपरीत होती लग रही है। हालांकि भाजपा मोदी लहर के साथ-साथ विकास को भी अपनी जीत का आधार मानकर चल रही है, लेकिन हकीकत का पता बाद में चल पाएगा। विधानसभा चुनाव में अभी समय है और भाजपा जहां इस बार भी मोदी लहर की उम्मीद लगाए है। वही कांग्रेस भी भाजपा को घेरने की अपनी पूरी रणनीति बनाकर चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है।

गुलदार के हमले में युवक की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। भीमताल विकासखंड अंतर्गत भद्यूनी गांव में गुलदार के आतंक ने एक और घर का चिराग बुझा दिया है। काठगोदाम के पास के इस गांव में आदमखोर गुलदार ने 30 वर्षीय युवक कमल सिंह बिष्ट को अपना निवाला बना लिया। सबसे भयावह बात यह है कि घटना गांव के भीतर, घर के बिल्कुल समीप हुई है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, भद्यूनी निवासी 30 वर्षीय कमल सिंह बिष्ट पुत्र इंद्र सिंह बिष्ट, बीती देर शाम घर के पास से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों ने पूरी रात उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। आज सुबह जब ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से खोजबीन शुरू की, तो जंगल में कमल सिंह का अधखाया हुआ शव बरामद हुआ।

भीमताल के ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर वन विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया कि बीते दिन ही उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को क्षेत्र में आदमखोर की सक्रियता की सूचना दी थी और ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया था। इसके बावजूद विभाग ने गश्त या पिंजरा लगाने जैसी कोई त्वरित कार्यवाही नहीं की, जिसका खामियाजा एक युवा किसान को अपनी जान देकर चुकाना पड़ है।

बता दें कि भद्यूनी और आसपास के क्षेत्र में यह पिछले कुछ समय में तीसरी बड़ी घटना है। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक गुलदार को को आदमखोर घोषित कर ढेर नहीं किया जाता या पकड़ा नहीं जाता, वे शांत नहीं बैठेंगे।

भीड़ में खोए 5 वर्षीय बालक को पुलिस ने चंद घंटों में ढूंढ निकाला

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। चौकी केदारनाथ क्षेत्र में तैनात पुलिस को आज सूचना मिली कि यात्रा में आया एक 5 वर्षीय बच्चा अपने परिजनों से बिछड़ गया है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मात्र कुछ ही घंटो में खोये हुए बालक को बरामद कर उसे परिजनो के सपुर्द कर दिया है।

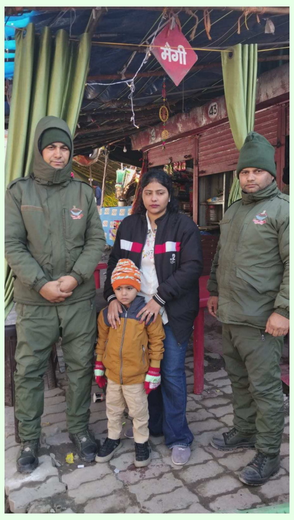

केदारनाथ यात्रा व्यवस्था ड्यूटी में तैनात मुख्य आरक्षी सुशील थपलियाल व मुख्य आरक्षी आनन्द गिरि ने संवेदनशीलता व सक्रियता दिखाते हुए इस बच्चे को ढूंढकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने पुत्र लक्ष्य (उम्र 5 वर्ष) को सकुशल पाकर उनकी माता अत्यन्त प्रसन्न हुई और उनके द्वारा पुलिस प्रशासन का आभार प्रकट किया गया। उक्त परिवार ग्राम रानी, थाना रानी, जिला पाली, राजस्थान से यात्रा में आया था। केदारनाथ धाम दर्शनों के उपरान्त उक्त परिवार वापस चला गया है।

घर पर गौमांस बेच रहे 4 दबोचे!

❑मौके से 300 किलो गौमांस बरामद, एक फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ऑपरेशन प्रहार के तहत उत्तराखण्ड गौवंश स्क्वाड, गढवाल परिक्षेत्र व कोतवाली रानीपुर की संयुक्त पुलिस टीम ने आज एक सूचना पर ग्राम दादूपुर गोविन्दपुर स्थित एक घर पर छापेमारी कर 4 आरोपियो अकरम, अजीम, आदिल व नसरत को दबोचते हुए मौके से मौके से 300 किलो पशु मांस व कटान के उपकरण बरामद किए। मौके से एक आरोपी फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर कोतवाली रानीपुर पर आरोपियों के खिलाफ उत्तराखण्ड गौ वंश संरक्षण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार आरोपियो को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार लोगो के नाम अकरम पुत्र स्व. असगर ग्राम दादूपुर सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार उम्र 60 वर्ष, अजीम पुत्र अकरम ग्राम दादूपुर सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार उम्र-22 वर्ष, आदिल पुत्र यासीन निवासी ग्राम दादूपुर सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार उम्र-50 वर्ष, नसरत पुत्र अख्तर निवासी ग्राम दादूपुर सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार उम्र-27 वर्ष बताये जा रहे है।

यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने डीएम व एसपी उतरे सड़कों पर

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने संयुक्त रूप से केदारधाम में मोर्चा संभालते हुए और यात्रा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। देर शाम जिलाधिकारी के केदारनाथ पहुंचने के बाद दोनों उच्चाधिकारियों ने यात्रा मजिस्ट्रेटों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें पिछले दो दिनों की यात्रा के अनुभवों और चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और श्रद्धालुओं के साथ अत्यन्त विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए भीड़ नियंत्रण और मंदिर परिसर की सुरक्षा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। दोनों अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रा की गरिमा से खिलवाड़ करने वाले तत्वों, विशेषकर मंदिर क्षेत्र में अनावश्यक ड्रोन उड़ाने या भ्रामक सोशल मीडिया रील बनाने वालों के खिलाफ तत्काल वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

यात्रा की जमीनी हकीकत जानने के लिए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कड़ाके की ठंड के बावजूद देर रात मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का संयुक्त भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने रात्रि विश्राम कर रहे श्रद्धालुओं से सीधा संवाद कर उनके अनुभव पूछे और व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, विद्युत और पेयजल से जुड़े कार्मिकों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने और किसी भी समस्या का समाधान 10 मिनट के भीतर करने का लक्ष्य दिया है, वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात जवानों को हर समय मुस्तैद रहकर यात्रियों की सहायता करने को कहा। बताते चलें कि जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग, बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) भी हैं, उन्होने बीकेटीसी और पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया ताकि दर्शन की प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से चलती रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।